Patrika (Indore), 23rd July 2025, Front Page Plus – 02

#Education

मेहता फैमिली फाउंडेशन के सहयोग से पहल, पर्यावरण और स्वास्थ्य क्षेत्र में बनेगा रिसर्च और इनोवेशन का हब

आइआइटी इंदौर में दो नए स्कूल, सस्टेनेबिलिटी-हेल्थकेयर में मिलेगा नया नेतृत्व

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. भारत के सतत और स्वास्थ्य-जागरूक भविष्य को आकार देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए आइआइटी इंदौर और मेहता फैमिली फाउंडेशन (एमएफएफ) ने दो नए शैक्षणिक स्कूलों की शुरुआत की है। यह सहयोग देश में पर्यावरणीय स्थिरता और स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने का काम करेगा। यह घोषणा नई दिल्ली में आयोजित एक एमओयू समारोह के दौरान हुई, जिसमें देश-विदेश के कई प्रमुख वैज्ञानिक और शिक्षा जगत की हस्तियां मौजूद रहीं।

1. मेहता फैमिली स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी : यह स्कूल जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट और संसाधन प्रबंधन जैसे गंभीर विषयों पर काम करेगा। यहां टेक्नोलॉजी, नीति, शिक्षा और अर्थशास्त्र को मिलाकर समाधान तैयार किए जाएंगे।

नए अध्याय की शुरुआत: डीएसटी के सचिव प्रो. अभय करंदीकर ने कहा, मेहता फैमिली फाउंडेशन हर साल नया स्कूल शुरू कर शिक्षा में ऐतिहासिक योगदान दे रहा है। डीबीटी सचिव डॉ. राजेश गोखले ने कहा, बायोलॉजी और इंजीनियरिंग का यह संयोजन बायो-ई3 नीति के तहत राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से मेल खाता है। निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा, यह साझेदारी आइआइटी के विकास में एक नए अध्याय की शुरुआत है। एमएफएफ संस्थापक राहुल मेहता ने बताया, ऐसे संस्थानों की जरूरत है जो सस्टेनेबिलिटी और हेल्थ के क्षेत्र में नेतृत्व करें।

प्रमुख क्षेत्र

- भारत का पहला बीटेक इन एनवायर्नमेंटल इकोनॉमिक्स एंड सस्टेनेबल इंजीनियरिंग
- तीन प्रमुख अध्ययन क्षेत्र - ऊर्जा सिस्टम्स और बैटरी टेक्नोलॉजी, पर्यावरणीय कानून और अर्थशास्त्र, जल एवं जलवायु अध्ययन।
- तीन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना।

लक्ष्य : अगले 10 वर्षों में 1,500 से ज्यादा सस्टेनेबिलिटी एक्सपर्ट्स तैयार करना

2. मेहता फैमिली स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग: भारत में डेंगू, चिकनगुनिया जैसे रोगों और एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस जैसी चुनौतियों को देखते हुए आइआइटी इंदौर और एमएफएफ ने बायोसाइंसेज और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में भी एक नया स्कूल शुरू किया है।

ये हैं विशेषताएं

- भारत का पहला एआइ फोकस्ड बीटेक प्रोग्राम इन हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी
- रिसर्च फोकस : हेल्थकेयर और बायोइन्फॉर्मेटिक्स में एआइ, ड्रग डिस्कवरी और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, वियरेबल हेल्थ डिवाइसेज और बायोमैन्युफैक्चरिंग
- 10 सालों में 1500 से ज्यादा हेल्थ टेक इनोवेटर्स तैयार करने का लक्ष्य। यह स्कूल देश को स्वदेशी चिकित्सा नवाचारों और सस्ती स्वास्थ्य सेवा में आत्मनिर्भर बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

इंदौर और एमएफएफ की साझेदारी

- भारत में एमएफएफ के तहत शुरू हुआ 7वां और 8वां स्कूल
- अब तक 620,000 वर्ग फुट से अधिक का अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर। अगले दशक में 10 हजार विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य।